www.CentumSure.com

Series OSR/1/C

कोड नं. **29/1/1**
Code No.

रोल नं.
Roll No.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **8** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **15** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

हिन्दी (ऐच्छिक)

HINDI (Elective)

निर्धारित समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

Time allowed : 3 hours *Maximum Marks : 100*

खण्ड क

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

मनुष्य पशु से किस बात में भिन्न है ? आहार-निद्रा आदि पशु-सुलभ स्वभाव उसके ठीक वैसे ही हैं जैसे अन्य प्राणियों में । लेकिन वह फिर भी पशु से भिन्न है । उसमें संयम है, दूसरे के सुख-दुख के प्रति संवेदना है, श्रद्धा है, तप है, त्याग है । ये मनुष्य के स्वयं के उद्‌भावित बंधन हैं । इसलिए मनुष्य झगड़े-टंटे को अपना आदर्श नहीं मानता, गुस्से में आकर चढ़ दौड़ने वाले अविवेकी को बुरा समझता है तथा वचन, मन एवं शरीर से किए गए असत्याचरण को ग़लत आचरण मानता है । वह किसी भी जाति या वर्ण या समुदाय का धर्म नहीं है । यह मनुष्यमात्र का धर्म है । महाभारत में इसीलिए निर्वैर भाव, सत्य और अक्रोध को सब धर्मों का 'सामान्य धर्म' कहा है ।

मनुष्य को सुख कैसे मिलेगा ? बड़े-बड़े नेता कहते हैं – वस्तुओं की कमी है, और मशीन बैठाओ, और उत्पादन बढ़ाओ, और धन की वृद्धि करो, और बाह्य उपकरणों की ताक़त बढ़ाओ । एक महात्मा था । उसने कहा था – बाहर नहीं, भीतर की ओर देखो । हिंसा

www.CentumSure.com

www.CentumSure.com

को मन से दूर करो, मिथ्या को हटाओ, क्रोध और द्वेष को दूर करो, लोक के लिए कष्ट सहो, आराम की बात मत सोचो, प्रेम की बात सोचो, आत्म-तोषण की बात सोचो, काम करने की बात सोचो । उसने कहा – प्रेम ही बड़ी चीज़ है, क्योंकि वह हमारे भीतर है । उच्छृंखलता मनुष्य की नहीं, पशु की प्रवृत्ति है, 'स्व' का बंधन मनुष्य का स्वभाव है ।

मनुष्य की चरितार्थता प्रेम में है, सेवा में है, मैत्री में है, त्याग में है, अपने को सबके मंगल के लिए निःशेष भाव से दे देने में है । यही देह-धारण का सत्य भी है ।

(क) 'स्व' का बंधन – का अभिप्राय स्पष्ट कीजिए । *2*

(ख) मनुष्य को किन बातों में पशु के समान कहा गया है ? पशु से वह भिन्न कब हो पाता है ? *2*

(ग) 'बाहर नहीं, भीतर की ओर देखो' – कथन का आशय स्पष्ट कीजिए । *2*

(घ) मनुष्य की चरितार्थता के बारे में लेखक के मन्तव्य को स्पष्ट कीजिए । *2*

(ङ) महात्मा ने कहा – "प्रेम ही बड़ी चीज़ है" – कैसे ? दो तर्क देकर समझाइए । *2*

(च) प्रस्तुत गद्यांश को एक उपयुक्त शीर्षक दीजिए । *1*

(छ) वास्तविक धर्म क्या माना गया है ? क्यों ? *2*

(ज) उपसर्ग व प्रत्यय अलग करके मूल शब्द के साथ लिखिए : $\frac{1}{2}+\frac{1}{2}=1$

निर्वैर, चरितार्थता ।

(झ) प्रस्तुत वाक्य को सरल वाक्य में बदलिए : *1*

"प्रेम ही बड़ी चीज़ है क्योंकि वह हमारे भीतर है ।"

2. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $1\times5=5$

खोल सीना, बाँध कर मुट्ठी कड़ी
मैं खड़ा ललकारता हूँ ।
ओ नियति !
तू सुन रही है ?
मैं खड़ा तुझको स्वयं ललकारता हूँ ।

हाँ, वही मैं
जो कि कल तक कह रहा था;
तुम्हीं हो सर्वस्व मेरी
और यह जीवन तुम्हारी कृपा-करुणा का भिखारी

www.CentumSure.com

www.CentumSure.com

दान दो संजीवनी का, या गरल दो मृत्यु का; स्वीकार हं !

विनत शिर, स्वर मंद, कंपित ओष्ठ !

हाँ, वही हूँ मैं
आज खोले वक्ष, उन्नत शीश, रक्तिम नेत्र
तुझको दे रहा हूँ, ले, चुनौती
गगनभेदी घोष में
दृढ़ बाहुदंडों को उठाए ।

क्योंकि मैंने आज पाया है स्वयं का ज्ञान
क्योंकि मैं पहचान पाया हूँ कि मैं हूँ मुक्त बंधनहीन
और तू है मात्र भ्रम, मन-जात, मिथ्या वंचना
इसलिए इस ज्ञान के आलोक में, इस पल
मिल गया है आज मुझको सत्य का आभास
अरी ओ मेरी नियति !

मैं छोड़ कर पूजा
– क्योंकि पूजा है पराजय का विनत स्वीकार –
बाँध कर मुट्ठी तुझे ललकारता हूँ ।

(क) कल तक कवि किसे 'तुम्हीं हो सर्वस्व मेरी' कह कर पूजता था, आज ऐसा क्या घटा कि वह उसे ही चुनौती देने लगा ?

(ख) कवि के इस कथन का भाव स्पष्ट कीजिए – 'पूजा है पराजय का विनत स्वीकार' ।

(ग) कविता में छिपे संदेश को स्पष्ट कीजिए ।

(घ) चुनौती देते समय कवि की शारीरिक दशा क्या थी ? स्पष्ट कीजिए ।

(ङ) कवि अपने बारे में क्या-क्या जान सका है ? कैसे ?

अथवा

www.CentumSure.com

www.CentumSure.com

गीत मेरे, देहरी के दीप-सा बन ।

एक दुनिया है हृदय में, मानता हूँ,

वह घिरी तम से, इसे भी जानता हूँ,

छा रहा है किन्तु बाहर भी तिमिर घन;

गीत मेरे, देहरी के दीप-सा बन ।

प्राण की लौ से तुझे जिस काल बारूँ,

और अपने कंठ पर तुझको सँवारूँ,

कह उठे संसार आया ज्योति का क्षण;

गीत मेरे, देहरी के दीप-सा बन ।

दूर कर मुझमें भरी तू कालिमा जब,

फैल जाए विश्व में भी लालिमा तब

जानता सीमा नहीं है अग्नि का कण;

गीत मेरे, देहरी के दीप-सा बन ।

जग विभामय तो न काली रात मेरी,

मैं विभामय तो नहीं जगती अँधेरी,

यह रहे विश्वास मेरा यह रहे प्रण;

गीत मेरे, देहरी के दीप-सा बन ।

(क) 'देहरी के दीप' से क्या आशय है ?

(ख) कवि के हृदय की दुनिया कैसी है ? क्यों ?

(ग) विश्व में लालिमा कब-कैसे फैलेगी ?

(घ) स्वयं प्रकाशित होने का संसार पर क्या प्रभाव पड़ता है ?

(ङ) आशय स्पष्ट कीजिए :

जानता सीमा नहीं है अग्नि का कण

www.CentumSure.com

www.CentumSure.com

3. निम्नलिखित में से किसी ***एक*** विषय पर लगभग 400 शब्दों में निबन्ध लिखिए : *10*

(क) लोकतंत्र का उत्सव है चुनाव

(ख) शिक्षा-पद्धति में परिवर्तन

(ग) भारतीय नारी

(घ) भ्रष्टाचार की समस्या

4. आप जिस कॉलोनी/मुहल्ले में रहते हैं, वहाँ कोई सार्वजनिक उद्यान नहीं है । उसकी आवश्यकता तथा अभाव से उत्पन्न कठिनाइयों का उल्लेख करते हुए किसी प्रतिष्ठित समाचार-पत्र के संपादक को पत्र लिखिए । *5*

अथवा

अपने नगर/ज़िले के पुलिस आयुक्त को पत्र लिखिए जिसमें महिलाओं की असुरक्षा के भय से राहत पाने के लिए कुछ कारगर सुझाव दिए गए हों ।

5. दूरदर्शन पर समाचार-वाचक से आप क्या-क्या अपेक्षाएँ रखते हैं, उनका सोदाहरण उल्लेख कीजिए । *5*

अथवा

रेडियो के लिए समाचार-कॉपी तैयार करते समय किन-किन बुनियादी बातों का ध्यान रखना चाहिए ? संक्षेप में प्रकाश डालिए ।

6. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *1×5=5*

(क) फ़ीचर किसे कहते हैं ?

(ख) खोजी रिपोर्ट का क्या उद्देश्य होता है ?

(ग) समाचार-लेखन की पिरामिड शैली को समझाइए ।

(घ) स्तम्भ-लेखन से क्या तात्पर्य है ?

(ङ) समाचार-माध्यमों में साक्षात्कार का क्या महत्त्व है ?

www.CentumSure.com

www.CentumSure.com

7. निम्नलिखित काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : *8*

कभी दिखता है सत्य
और कभी ओझल हो जाता है
और हम कहते रह जाते हैं कि रुको यह हम हैं
जैसे धर्मराज के बार-बार दुहाई देने पर
कि ठहरिए स्वामी विदुर
यह मैं हूँ आपका सेवक कुन्तीनन्दन युधिष्ठिर
वे नहीं ठिठकते ।

अथवा

बहुत दिनान को अवधि आसपास परे,
खरे अरबरनि भरे हैं उठि जान को ।
कहि कहि आवन छबीले मन-भावन को,
गहि गहि राखति ही दै दै सनमान को ।।
झूठी बतियानि की पत्यानि तें उदास ह्वै कै,
अब न घिरत घन आनँद निदान को ।
अधर लगे हैं आनि करि कै पयान प्रान
चाहत चलन ये सँदैसो लै सुजान को ।।

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *3+3=6*

(क) 'कार्नेलिया का गीत' कविता में प्रसाद ने भारत की किन विशेषताओं की ओर संकेत किया है ? उन पर टिप्पणी कीजिए ।

(ख) 'गीतावली' के पद "जननी निरखति बान धनुहियाँ" के आधार पर कौशल्या की मनःस्थिति पर प्रकाश डालिए ।

(ग) 'सरोज-स्मृति' कविता में कवि 'निराला' की वेदना को स्पष्ट कीजिए ।

9. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** काव्यांशों का काव्य-सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए : *3+3=6*

(क) यह तन जारौं छार कै कहौं कि पवन उड़ाइ ।
मकु तेहि मारग होइ परौं कंत धरैं जहँ पाइ ।।

www.CentumSure.com

www.CentumSure.com

(ख) तोड़ो तोड़ो तोड़ो
ये ऊसर बंजर तोड़ो
ये धरती परती तोड़ो
सब खेत बनाकर छोड़ो
मिट्टी में रस होगा ही जब वह पीसेगी बीज को
हम इसको क्या कर डालें रस अपने मन की खीज को
गोड़ो, गोड़ो, गोड़ो ।

(ग) आदमी दशाश्वमेध पर जाता है
और पाता है घाट का आखिरी पत्थर
कुछ और मुलायम हो गया है
सीढ़ियों पर बैठे बंदरों की आँखों में
एक अजीब-सी नमी है
और एक अजीब-सी चमक से भर उठा है
भिखारियों के कटोरों का निचाट खालीपन

10. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : *6*

सिंगरौली, जो अब तक अपने सौंदर्य के कारण 'वैकुंठ' और अपने अकेलेपन के कारण 'काला पानी' माना जाता था, अब प्रगति के मानचित्र पर राष्ट्रीय गौरव के साथ प्रतिष्ठित हुआ । कोयले की खदानों और उन पर आधारित तापविद्युत्गृहों की एक पूरी शृंखला ने पूरे प्रदेश को अपने में घेर लिया । जहाँ बाहर का आदमी फटकता न था, वहाँ केन्द्रीय और राज्य सरकारों के अफ़सरों, इंजीनियरों और विशेषज्ञों की कतार लग गई ।

अथवा

साहित्य का पांचजन्य समरभूमि में उदासीनता का राग नहीं सुनाता । वह मनुष्य को भाग्य के आसरे बैठने और पिंजड़े में पंख फड़फड़ाने की प्रेरणा नहीं देता । इस तरह की प्रेरणा देने वालों के वह पंख कतर देता है । वह कायर और पराभव प्रेमियों को ललकारता हुआ एक बार उन्हें भी समरभूमि में उतरने के लिए बुलावा देता है ।

www.CentumSure.com

www.CentumSure.com

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नो के उत्तर दीजिए : *4+4=8*

(क) "मैं कहीं जाता हूँ तो 'छूँछे' हाथ नहीं लौटता ।" से क्या तात्पर्य है ? लेखक कौशाम्बी लौटते हुए अपने साथ क्या-क्या लाया ? – 'कच्चा चिट्ठा' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।

(ख) 'गंगापुत्र के लिए गंगा मैया ही जीविका और जीवन है ।' – 'दूसरा देवदास' कहानी के इस कथन के संदर्भ में गंगापुत्रों के जीवन-परिवेश पर टिप्पणी कीजिए ।

(ग) 'कुटज' पाठ के आधार पर सोदाहरण सिद्ध कीजिए कि 'सुख-दुख तो मन के विकल्प हैं' ।

12. सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' **अथवा** केशवदास के जीवन और रचनाओं का संक्षिप्त परिचय देते हुए उनकी किन्हीं दो काव्यगत विशेषताओं का उल्लेख कीजिए । *6*

अथवा

भीष्म साहनी **अथवा** पंडित चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी' के जीवन और रचनाओं का संक्षिप्त परिचय देते हुए उनकी भाषा-शैली की दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।

खण्ड घ

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *2+2=4*

(क) 'आरोहण' कहानी के आधार पर बताइए कि रूपसिंह पहाड़ पर चढ़ना सीखने के बावजूद भूपसिंह के सामने बौना क्यों पड़ गया था ।

(ख) हमारे आज के इंजीनियर ऐसा क्यों समझते हैं कि वे पानी का प्रबंध जानते हैं और पहले जमाने के लोग कुछ नहीं जानते थे ? 'अपना मालवा' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए ।

(ग) 'बिस्कोहर की माटी' पाठ के आधार पर बताइए कि गाँव में गरमी और लू से जीवन को बचाने के लिए क्या-क्या उपाय किए जाते हैं ।

14. सैलानी शेखर और रूपसिंह घोड़े पर चलते हुए उस लड़के के रोज़गार के बारे में सोच रहे थे जिसने उन्हें घोड़े पर बिठा रखा था और स्वयं पैदल चल रहा था । क्या आप भी बाल मज़दूरी के बारे में सोचते हैं ? तर्कयुक्त उत्तर दीजिए और लिखिए कि इसे मिटाने के लिए क्या ठोस क़दम उठाए जा सकते हैं ? *5*

15. 'सूरदास की झोपड़ी' कहानी के नायक की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए लिखिए कि उसके व्यक्तित्व से आपको क्या प्रेरणा मिलती है । *6*

अथवा

'अपना मालवा' पाठ के आधार पर पर्यावरण और उसके विनाश पर प्रकाश डालिए ।

www.CentumSure.com